



मेरा फरीदाबाद

फरीदाबाद, संक्रमांक, 08 दिसम्बर 2024
www.nationalpraharnews.com

नेशनल प्रहरी दैनिक

अग्रवाल महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा किया गया अतिथि व्याख्यान का आयोजन

नेशनल प्रहरी/रघुबीर सिंह बल्लभगढ़। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा आज 9 दिसम्बर 2024 को एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार गुप्ता की सद्प्रेरणा से हुआ। अतिथि व्याख्यान का विषय-गुप्त काल: भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग रहा।

मुख्य वक्ता के रूप में गल-मैट कॉलेज मोहन, फरीदाबाद के प्राचार्य डॉ० रामेश्वर सिंह गुलिवा थे। उन्होंने केन्द्र-काल-वर्षक व सार्वभौमिक वक्तव्य दिया। इस अतिथि व्याख्यान में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

अतिथि व्याख्यान का शुभारम्भ इतिहास विभागाध्यक्ष व अतिथि व्याख्यान के संयोजक डॉ. जयशंकर सिंह ने विद्यार्थियों को मुख्य वक्ता डॉ. रामेश्वर सिंह गुलिवा के सौभाग्य-परिचय से किया। मुख्य वक्ता



डॉ० रामेश्वर सिंह गुलिवा ने अपने संबोधन में कहा कि कला, साहित्य, विज्ञान और शासन में उल्लेखनीय उपलब्धियों के कारण गुप्त काल (लगभग 320-540 ई.) को भारत के स्वर्ण युग के रूप में जाना जाता है। चंद्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त और चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) जैसे शासकों के

तहत भारत ने शक्ति, समृद्धि और सांस्कृतिक उत्थरण का अनुभव किया। उत्कृष्ट मंदिरों, मूर्तियों और प्रसिद्ध अजंठा गुफा चित्रों के निर्माण के साथ कला और वास्तुकला नई ऊंचाइयों पर पहुँच गई। संस्कृत साहित्य फलक-फूला, कालिदास जैसे कवियों ने साहित्यिक उत्कृष्ट कृतियों

का निर्माण किया, जबकि धार्मिक ग्रंथ और दर्शन फले-फूले।

विज्ञान और गणित में, अर्कभट्ट जैसे विद्वानों ने अपूर्व योगदान दिया, जिसमें सूर्य की अवधारणा का विकास और खगोल विज्ञान में प्रगति शामिल है। इस अवधि में स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और आर्थिक समृद्धि द्वारा समर्थित चिकित्सा, धातु विज्ञान और व्यापार में भी प्रगति देखी गई। गुप्त साम्राज्य की सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और बौद्धिक उपलब्धियों ने इस स्वर्ण युग के रूप में स्थापित किया, जिसने सदियों तक भारतीय सभ्यता को प्रभावित किया।

अंत में विद्यार्थियों ने व्याख्यान के विषय से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे। सभी जिज्ञासाओं का मुख्य वक्ता ने समाधान किया। अतिथि व्याख्यान मुख्य वक्ता को धन्यवाद ज्ञापन से समाप्त हुआ। इतिहास विभाग को सहयोग प्रवक्ता डॉ. सुप्रिया डबल ने व्याख्यान के आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश में प्रसारित हरियाणा का हिन्दी दैनिक



सत्यजय टाइम्स



वर्ष-13, अंक-251 मंगलवार 10 सितंबर, 2024, पृष्ठ 8, मूल्य 2 रुपये (फरीदाबाद से प्रकाशित) प्रातःकालीन संस्करण हिन्दी दैनिक

RNI NO HARHIN/2012/43543 Ph. 0129- 4042533, Email: sjtfaridabad@gmail.com ▶ Satyajay Times f satyajaytimes

अतिथि व्याख्यान का आयोजन



बल्लभगढ़, 09 सितंबर, सत्यजय टाइम्स/गोपाल अरोड़ा। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० संजीव कुमार गुप्ता की सङ्ग्रेष्णा से हुआ। अतिथि व्याख्यान का विषय- "गुप्त काल: भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग" रहा। मुख्य यज्ञ के रूप में गवर्नमेंट कॉलेज मोहनवाड़ा, फरीदाबाद के प्राचार्य डॉ० रामेश्वर सिंह गुलिचा थे। उन्होंने केल्ट ज्ञानवर्धक व सारवर्षिक वक्तव्य दिया। इस अतिथि व्याख्यान में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अतिथि व्याख्यान का शुभारंभ इतिहास विभागाध्यक्ष व अतिथि व्याख्यान के संयोजक डॉ० जगपाल सिंह ने विद्यार्थियों को मुख्य यज्ञ डॉ० रामेश्वर सिंह गुलिचा के संचालन परिचय से किया। मुख्य यज्ञ डॉ० रामेश्वर सिंह गुलिचाने अपने संबोधन में कहा कि कला, साहित्य, विज्ञान और शासन में उल्लेखनीय उपलब्धियों के कारण गुप्त काल को भारत के स्वर्ण युग के रूप में जाना जाता है। चंद्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त और चंद्रगुप्त द्वितीय जैसे शासकों के उदात्त भारत ने शक्ति, समृद्धि और सांस्कृतिक उत्कर्ष का अनुभव किया। उत्कृष्ट मंदिरों, मूर्तियों और प्रसिद्ध अजंठा गुफा चित्रों के निर्माण के साथ कला और वास्तुकला नई ऊंचाइयों पर पहुँच गई।

संस्कृत साहित्य फला-फूला, कावित्वास जैसे कवियों ने साहित्यिक उत्कृष्ट कृतियों का निर्माण किया, जबकि धार्मिक ग्रंथ और दर्शन फले-फूले। विज्ञान और शक्ति में, आर्यभट्ट जैसे विद्वानों ने अचूतपूर्व योगदान दिया, जिससे शून्य की अवधारणा का विकास और खगोल विज्ञान में प्रगति सम्मिलित है। इस अवधि में स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और आर्थिक समृद्धि द्वारा समर्थित चिकित्सा, धातु विज्ञान और व्यापार में भी प्रगति देखी गई। गुप्त साम्राज्य की सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और बौद्धिक उपलब्धियों ने इसे स्वर्ण युग के रूप में ख्याति दिलाई, जिसने सदियों तक भारतीय सभ्यता को प्रभावित किया।



INDUSTRY (इंडस्ट्री)

हरियाणा-NCR

पॉलिटिक्स

स्पोर्ट्स

देश-प्रदेश

एंटरटेनमेंट

CRIME (क्राइम)

जनतंत्र टुडे



EDUCATION-एजुकेशन

हरियाणा-NCR

अग्रवाल महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन

11 hours ago [jantantratoday](#) [#haryana](#) [#faridabad](#)

फरीदाबाद जनतंत्र टुडै / अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का आयोजन अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० संजीव कुमारगुप्ता जी की सट्टप्रेरणा से हुआ। अतिथि व्याख्यान का विषय-“गुप्त काल:भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग” रहा। मुख्य वक्ता के रूप में गवर्नमेंट कॉलेज मोहना, फरीदाबाद के प्राचार्य डॉ० शमशेर सिंह गुलियाथे। उन्होंने बेहद ज्ञानवर्धक व सारगर्भित वक्तव्य दिया।

इसअतिथिव्याख्यान में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। अतिथि व्याख्यान का शुभारंभ इतिहास विभागाध्यक्ष व अतिथि व्याख्यान के संयोजक डॉ० जयपाल सिंह ने विद्यार्थियों को मुख्य वक्ता डॉ०शमशेर सिंह गुलिया केसंक्षिप्त परिचय से किया। मुख्य वक्ता डॉ० शमशेर सिंह गुलियाने अपने संबोधन में कहा कि कला, साहित्य, विज्ञान और शासन में उल्लेखनीय उपलब्धियों के कारण गुप्त काल (लगभग 320-540 ई.) को भारत के स्वर्ण युग के रूप में जाना जाता है। चंद्रगुप्त प्रथम, समुद्रगुप्त और चंद्रगुप्त द्वितीय (विक्रमादित्य) जैसे शासकों के तहतभारत ने शांति, समृद्धि और सांस्कृतिक उत्कर्ष का अनुभव किया। उत्कृष्ट मंदिरों, मूर्तियों और प्रसिद्ध अजंता गुफा चित्रों के निर्माण के साथ कला और वास्तुकला नई ऊंचाइयों पर पहुंच गईं। संस्कृत साहित्य फला-फूला, कालिदास जैसे कवियों ने साहित्यिक उत्कृष्ट कृतियों का निर्माण किया, जबकि धार्मिक ग्रंथ और दर्शन फले-फूले।

विज्ञान और गणित में, आर्यभट्ट जैसे विद्वानों ने अभूतपूर्व योगदान दिया, जिसमें शून्य की अवधारणा का विकास और खगोल विज्ञान में प्रगति शामिल है। इस अवधि में स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और आर्थिक समृद्धि द्वारा समर्थित चिकित्सा, धातु विज्ञान और व्यापार में भी प्रगति देखी गईं।गुप्त साम्राज्य की सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और बौद्धिक उपलब्धियों ने इसे स्वर्ण युग के रूप में ख्याति दिलाई, जिसने सदियों तक भारतीय सभ्यता को प्रभावित किया।

अंत में विद्यार्थियों ने व्याख्यान के विषय से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे।सभी जिज्ञासाओं का मुख्य वक्ता ने समाधान किया। अतिथि व्याख्यान मुख्य वक्ता को धन्यवाद जापन से समाप्त हुआ।इतिहास विभाग की सहायक प्रवक्ता डॉ० सुप्रिया टांडा ने व्याख्यानके आयोजन में विशेष सहयोग दिया।